M.A. Examination, 2019
Semester-IV
Hindi
Course : XVI (Special Paper)
(प्रेमचंद)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए– 2×8=16

क) मेरा अपना ईमान यह है कि मजहब आत्मा के लिए बंधन है। मेरी अक्ल जिसे कबूल करे, वही मेरा मजहब है। बाकी सब खुराफात।

अथवा

हिंदू जाति अधोगति को पहुंच गयी और अबतक वह कभी नष्ट हो गयी होती पर हिंदू स्त्रियों ही ने अभी तक उसकी मर्यादा की रक्षा की है। उन्हीं के सत्य और सुकीर्ति ने उसे बचाया है।

ख) औरत के पीछे तो खून हो जाता है। तुमने नालस ही कर दी तो कौन बुरा काम किया। बस अब तुमसे मेरी यही विनती है कि जिस तरह कल भरी– अदालत में पंचों ने मुझे निरपराध कह दिया उसी तरह तुम भी मेरी ओर से अपना मन साफ कर लो।

ग) कई बार यही क्रिया होती है, जैसे बिजली की लाखों बत्तियां एक साथ प्रदीप्त हों– और एक साथ बुझ जायं, और यही क्रम चलता रहा।

घ) हे नाथ, हमें सद्‌बुद्धि दीजिए कि निरंतर कर्मपथ पर स्थिर रहें, और उस कलंक कालिमा को जो हमारे आदि पुरूष ने हमारे मुख पर लगा दी है, अपनी सुकीति से धोकर अपना मुख उज्ज्वल करें।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए– 2×12=24

क) 'सेवासदन' में निहित जीवन-दर्शन पर प्रकाश डालिए।

ख) 'कर्मभूमि' के आधार पर सुमन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

ग) हिन्दी नाट्य परंपरा में 'कर्बला' के योगदान पर विचार कीजिए।

घ) साहित्य की सोद्‌देश्यता की कसौटियों पर विचार कीजिए।